(d) whether Government propose to increase the expenditure on health during the Eighth Plan; and

(e) if so, the plan allocation made for health and its comparison with allocation of Seventh Plan?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D. K. THARA DEVI SIDDHARTHA): (a) to (e) According to the statistics compiled by the Central Statistical Organisation relating to 1989-90 the total Government expenditure on health as a percetage of GDP is 0.8 per cent*. No reliable published figures beyond this date are available. Further, according to the Central Bureau of Health Intelligence report, the per capita expenditure on Health and Family Welfare in India during 1987-88 was Rs. 67.78. No reliable published data to enable international comparisons on per capita expenditure on health are available.

The Plan allocation for the 7th and 8th Plans for Health and Family Welfare are as indicated below:

(Rs. in crores)

	7th Plan outlay	8th Plan outlay
1. Health Sector Programme (Central, States and Union Territories	3,392.89	7,575.92
2. Family Welfare Programme	3,256.26	6,500.00
Total :	6,649.15	14,075.92

*Total Government expenditure relates to current and capital expenditure of Central and State Governments including transfer to local bodies, non-profit institutions and others. It does not include expenditures incurred on medical and health services by local bodies, departmental and non-departmental undertakings. Similar expenditures made by private institutions out of their own resources are not included.

Setting up of Health Centres in Himachal Pradesh

2918. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that U.N. has provided Rs. 35 crores for setting up of health centres in Himachal Pradesh;

(b) if so, what are the main features of these centres;

(c) where these centres are likely to be set in the State; and

(d) whether the implementation will be through State Government or the Central Government itself?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D. K. THARA DEVI SIDDHARTHA): (a) to (c) A Family Welfare Area Project is being implemented in Himachal Pradesh with the total project cost of Rs. 35.29 crores with effect from April, 1990 for a period of 5 years i.e. 1990-91 to 1994-95. This project is being fully funded through grants received from United Nations Fund for Population Activities (UNFPA): The main features of the project are Health and Family

Welfare infrastructure development for improving delivery of Health and Family Welfare Services, Training and intersectoral linkages. The Project provides for setting up of 600 Sub Centres, 45 Primary Health Centres, 27 Maternal and Child Health and Family Welfare Centres and 54 Operation Theatres in existing Primary Health Centres in addition to other inputs for training, etc. These Health Centres would be set up in 9 Project Districts, namely, Bilaspur, Chamba, Kinnaur, Kulu, Lahul and Spiti, Shimla, Solan, Una and Mandi.

(d) The project is being implemented by the State Government of Himachal Pradesh.

"फैलोशिप" का प्रदान किया जाना

2919. **श्री शिव प्रसाद चनपुरिया** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1990–91 और 1991–92 के दौरान विदेशों में चिकित्सा पद्धति और औषध विज्ञान के अध्ययन और प्रशिक्षण के लिए कितने छात्रों को "फैलोशिप" प्रदान की गई ;

(ख) उनमें से कितने प्रतिशत छात्र पिछड़े वर्गों के हैं और कितने प्रतिशत शहरी क्षेत्रों के हैं ; और

(ग) विदेशों में प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों में से कितने छात्र भारत में कार्यरत है और कितने विदेशों में ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी० के० तारादेवी सिद्धार्थ) : (क) स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय की विदेश में चिकित्सा विज्ञान में प्रशिक्षण के लिए छात्रों को फैलोशिप देने संबंधी कोई स्कीम नहीं है । तथापि, फैलोशिप विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य द्विपक्षीय दानकर्ताओं, मुख्यतया तकनीकी सहयोग प्रशिक्षण कार्यक्रम (कोलम्बो प्लान स लोशिप के नाम से प्रसिद्ध) द्वारा वित्त-पोषित की जाती है और कॉमन वैल्थ फैलोशिप इस मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय और राज्य सरकारों तथा उनके अधीन स्वास्थ्य विभागों अथवा स्वायत्त निकायों के चिकित्सा और पराचिकित्सा कार्मिकों को दी जाती है 1990–91 और 1991–92 के दौरान तकनीकी सहयोग प्रशिक्षण कार्यक्रम और कामन वैल्थ के अन्तर्गत प्रदान की गई ऐसी फैलोशिप की कुल संख्या क्रमशः 77 और 74 थी; विश्व स्वास्थ्य संगठन 242 फैलोशिप दो वर्षों 1990–91 के लिए प्रदान की गई थी । इसके अलावा भारतीय चिकित्सा परिषद और भूतपूर्व यू० एस एस आर के बीच हुए समझौता ज्ञापन के एक हिस्से के रूप में 1990–91 के दौरान 30 छात्रों को स्नातक पूर्व अध्ययन के लिए यू०एस०एस० आर० भेजा गया था । इसके अलावा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय विशिष्ट क्षेत्रों में रेजीडेंसी प्रशिक्षण के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में चिकित्सा संस्थाओं में प्रवेश पाने वाले छात्रों को अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी करता है । 1990–91 और 1991–92 दो वर्षों के दौरान क्रमशः 157 और 318 व्यक्तियों को अनापत्ति प्रमाण-पत्र दिए गए । चालू वर्ष 1992–93 में अब तक 600 अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके है ।

(ख) और (ग) सरकार के पास ऐसे कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं ।

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं

2920. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के अधीन चलाई जा रही योजनाओं का जिलावार ब्यौरा क्या है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इस संबंध में किए गए कार्य का वर्षवार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान राज्य ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के अधीन जिला-वार निर्धारित किए गये लक्ष्यों का वर्षवार ब्यौरा क्या है और ये लक्ष्य किस सीमा तक पूरे किए गये ?